

2025
Premium
Edition



IRDA IC38 Life Insurance Agent Exam Mock Test Demo Hindi



10 Years of Trust



Financial Street
IRDA IC38 Life Insurance Agent Exam Mock Test Hindi



Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

Testimonial

"The IC 38 mock tests were a lifesaver for me! I'm transitioning my career into insurance, and I wanted to make sure I was totally ready for the certification exam. The mock tests allowed me to become comfortable with the exam format and quiz myself on important areas. It was just what I needed to pass the exam confidently."

*Riya Mishra (Pune)
Insurance Career Aspirant*

Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy



Buy IRDA IC38 Life Insurance Agent Exam Mock Test Hindi

Get

Free Stock Market Analysis Course (3 Module + Bonus Videos)

प्रश्न 1: निम्नलिखित में से भारत में स्थापित पहली भारतीय बीमा कंपनी कौन सी थी?

- A- बॉम्बे म्यूचुअल एश्योरेस सोसाइटी लिमिटेड
- B- ट्राइटन इश्योरेस कंपनी लिमिटेड
- C- ओरिएंटल लाइफ इश्योरेस कंपनी लिमिटेड
- D- नेशनल इश्योरेस कंपनी लिमिटेड

उत्तर: A

व्याख्या: बॉम्बे म्यूचुअल एश्योरेस सोसाइटी लिमिटेड भारत की पहली भारतीय बीमा कंपनी थी, जिसकी स्थापना 1870 में मुंबई में हुई थी।

प्रश्न 2: बीमा के संदर्भ में 'परिल' (Peril) शब्द का क्या अर्थ होता है?

- A- बीमा प्रीमियम
- B- बीमित हानि राशि
- C- जोखिम की संभावना
- D- जोखिम घटना का कारण

उत्तर: D

व्याख्या: जोखिम घटना का कारण 'परिल' कहलाता है।

प्रश्न 3: बीमा में व्यक्तिगत योगदान को क्या कहा जाता है?

- A- किस्त
- B- प्रीमियम
- C- पूलिंग
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या: बीमा में, बीमाकर्ता विभिन्न व्यक्तियों से व्यक्तिगत योगदान (प्रीमियम) एकत्र करते हैं ताकि एक कोष बनाया जा सके।

प्रश्न 4: जोखिम को नियंत्रित करने के लिए हानि की स्थिति से बचना क्या कहलाता है?

- A- जोखिम समाप्ति
- B- जोखिम से बचाव
- C- जोखिम बनाए रखना
- D- जोखिम में कमी

उत्तर: B

व्याख्या: जोखिम को नियंत्रित करने के लिए हानि की स्थिति से बचना जोखिम से बचाव कहलाता है।

प्रश्न 5: बीमा क्षेत्र में IGMS का क्या अर्थ है?

- A- इंश्योरेंस ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम
- B- इंटरनल ग्रीवेंस मॉनिटरिंग सर्विस
- C- इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम
- D- इंटरनल ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम

उत्तर: C

व्याख्या: IRDA द्वारा बीमा उद्योग में शिकायत निवारण की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम (IGMS) शुरू किया गया है।

प्रश्न 6: निम्नलिखित में से कौन उपभोक्ता विवाद निवारण एजेंसी नहीं है?

- A- जिला फोरम
- B- राज्य आयोग
- C- केंद्रीय आयोग
- D- राष्ट्रीय आयोग

उत्तर: C

व्याख्या: उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2002 के अनुसार उपभोक्ता विवाद निवारण एजेंसियाँ हैं - जिला फोरम, राज्य आयोग, राष्ट्रीय आयोग।

प्रश्न 7: बीमा एजेंट की आचार संहिता के संबंध में दिए गए कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य।

कथन: प्रत्येक बीमा एजेंट को प्रत्येक संभावित ग्राहक को पॉलिसी के तहत नामांकन करने की सलाह देनी चाहिए।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर: A

व्याख्या: आचार संहिता के अनुसार, प्रत्येक बीमा एजेंट को प्रत्येक संभावित ग्राहक को पॉलिसी के तहत नामांकन करने की सलाह देनी चाहिए।

प्रश्न 8: निम्नलिखित में से कौन सा शब्द इस कथन को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता है?

कथन: बीमा अनुबंध के प्रत्येक पक्ष को बीमा के विषय से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा करना चाहिए।

A- पारदर्शिता का कानून

B- सद्भावना

C- उबेरिमा फाइंड्स

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: उबेरिमा फाइंड्स का अर्थ है कि अनुबंध के प्रत्येक पक्ष को बीमा विषय से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा करना चाहिए।

प्रश्न 9: HLV क्या है?

- A- हाई लेवल वैल्यू
- B- ह्यूमन लो वैल्यू
- C- ह्यूमन लाइफ वैल्यू
- D- हाई लाइफ वैल्यू

उत्तर: C

व्याख्या: HLV का अर्थ है ह्यूमन लाइफ वैल्यू।

प्रश्न 10: निम्नलिखित में से कौन सा एक संपत्ति संचित करने वाला उत्पाद है?

- A- शेयर
- B- उच्च लाभ बांड
- C- रियल एस्टेट
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: शेयर, उच्च लाभ बांड और रियल एस्टेट संपत्ति संचित करने वाले उत्पाद हैं।

प्रश्न 11: निम्नलिखित में से कौन पारंपरिक जीवन बीमा उत्पाद है?

- A- संपूर्ण जीवन बीमा योजनाएँ
- B- टर्म इंश्योरेंस योजनाएँ
- C- एंडोमेंट इंश्योरेंस योजनाएँ
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: पारंपरिक जीवन बीमा उत्पाद उपरोक्त सभी हैं

प्रश्न 12: ULIP क्या है?

- A- यूनिट लिंक्ड इंटीग्रेटेड प्लान
- B- यूनिट लाइफ इंश्योरेंस प्लान
- C- यूनाइटेड लाइफ इंटीग्रेटेड प्लान
- D- यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान

उत्तर: D

व्याख्या: ULIP एक गैर-पारंपरिक बीमा योजना है।

प्रश्न 13: NAV क्या है?

- A- न्यू एसेट वैल्यू
- B- नेट एश्योरेंस वैल्यू
- C- न्यू एश्योरेंस वैल्यू
- D- नेट एसेट वैल्यू

उत्तर: D

व्याख्या: NAV का अर्थ है नेट एसेट वैल्यू।

Financial Street

प्रश्न 14: कीमैन बीमा के मामले में, बीमित राशि किससे जुड़ी होती है?

- A- प्रमुख व्यक्ति की आय
- B- कंपनी की लाभप्रदता
- C- दोनों A और B
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: कीमैन बीमा के तहत, बीमित राशि प्रमुख व्यक्ति की आय और कंपनी की लाभप्रदता से जुड़ी होती है।

प्रश्न 15: प्रीमियम का घटक कौन सा है?

- A- मृत्यु दर
- B- ब्याज
- C- रिजर्व
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: प्रीमियम के घटक हैं: मृत्यु दर, ब्याज, बोनस लोडिंग, रिजर्व, प्रबंधन व्यय।

प्रश्न 16: डॉक्टर मेडिकल रिपोर्ट में कौन-कौन सी शारीरिक विशेषताएँ दर्ज कर सकता है?

- A- ऊँचाई
- B- रक्तचाप
- C- वजन
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: मेडिकल रिपोर्ट में ऊँचाई, वजन, रक्तचाप, कार्डियक स्थिति आदि जैसी शारीरिक विशेषताएँ दर्ज की जाती हैं।

प्रश्न 17: कौन सा दस्तावेज़ इस बात का प्रमाण है कि पॉलिसी अनुबंध शुरू हो गया है?

- A- इंश्योरेंस प्रीमियम रसीद
- B- फर्स्ट प्रीमियम रसीद
- C- फाइनल प्रीमियम रसीद
- D- पॉलिसी प्रीमियम रसीद

उत्तर: B

व्याख्या: फर्स्ट प्रीमियम रसीद (FPR) अनुबंध के आरंभ होने का प्रमाण है।

प्रश्न 18: कौन सा विकल्प बीमाधारक को प्रीमियम की देरी से भुगतान करने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करता है?

- A- फ्री पीरियड
- B- लेट फीस पीरियड
- C- ग्रेस पीरियड
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: ग्रेस पीरियड प्रीमियम की देरी से भुगतान के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करता है।

प्रश्न 19: बीमा अंडरराइटिंग के संदर्भ में दिए गए कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य।

कथन: एजेंट स्तर पर अंडरराइटिंग को प्राथमिक अंडरराइटिंग भी कहा जाता है।

- A- सत्य
- B- असत्य

उत्तर: A

व्याख्या: फील्ड स्तर की अंडरराइटिंग को प्राथमिक (प्राइमरी) अंडरराइटिंग भी कहा जाता है।

प्रश्न 20: निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति बीमा अनुबंध के अंत का कारण बनती है?

- A- परिपक्वता (मैच्योरिटी)
- B- मृत्यु दावा
- C- सरेंडर
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: बीमा कवर का अंत परिपक्वता, मृत्यु दावा या पॉलिसी सरेंडर से हो सकता है।

प्रश्न 21: निम्नलिखित में से कौन स्वास्थ्य के निर्धारक हैं?

- A- जीवनशैली कारक
- B- पर्यावरणीय कारक
- C- आनुवंशिक कारक (जेनेटिक)
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: स्वास्थ्य के निर्धारक होते हैं - जीवनशैली, पर्यावरण और आनुवंशिक कारक।

प्रश्न 22: स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में मानक घोषणा का प्रारूप किसने निर्दिष्ट किया है?

- A- सेबी
- B- IRDAI
- C- इसे निर्दिष्ट नहीं किया गया है
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या: IRDAI ने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में मानक घोषणा का प्रारूप निर्धारित किया है।

प्रश्न 23: निम्नलिखित में से कौन स्वास्थ्य बीमा उत्पाद की श्रेणी है?

- A- इंडेमनिटी कवर्स
- B- फिक्स्ड बेनिफिट कवर्स
- C- क्रिटिकल इलनेस कवर्स
- D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: स्वास्थ्य बीमा उत्पादों को तीन प्रमुख श्रेणियों में बांटा जाता है - इंडेमनिटी कवर्स, फिक्स्ड बेनिफिट कवर्स, और क्रिटिकल इलनेस कवर्स।

प्रश्न 24: मेडिकल इंश्योरेंस में अंडरराइटिंग करते समय निम्नलिखित में से कौन जोखिम वर्गीकरण नहीं है?

- A- मानक जोखिम
- B- पसंदीदा जोखिम
- C- अस्वीकार किए गए जोखिम
- D- स्थायी जोखिम

उत्तर: D

व्याख्या: मेडिकल बीमा में जोखिम वर्गीकरण होते हैं - मानक, पसंदीदा, अस्वीकार किए गए और सबस्टैंडर्ड जोखिम। "स्थायी जोखिम" कोई मानक श्रेणी नहीं है।

प्रश्न 25: इंडेमनिटी पॉलिसी के अंतर्गत दावे किस रूप में किए जा सकते हैं?

- A- कैशलेस क्लेम
- B- रीडंबर्समेंट क्लेम
- C- दोनों A और B
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: इंडेमनिटी पॉलिसी के अंतर्गत दावे कैशलेस और रीडंबर्समेंट दोनों रूपों में किए जा सकते हैं।



Financial Street



TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street



Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

• **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

• **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

• **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.



तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेंशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफ़ा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

ZOOM रिपोर्ट
zoom.com

भोजपुर, बॉम्बे के दौर में जब रोजगार देने वाले कई सेक्टर को हलका बग़म चल रहा है, वही शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। ऐसे देखने हुए भविष्य में इस सेक्टर में शेयर बाजार में गैर-सुख-सुविधाएँ, एनलिसिस और कई जानकारी लेनी की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संघर्षनाएँ हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाग के प्रदान के महानवर एक्सपर्टों का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ब्रॉकिंग का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, अभी कई निवेश कंपनियों और वित्तीय सलाहकार कार्यालयों में वेब में हैं। इनके जल्दी यह जॉब के कई ऑफर हैं। इस क्षेत्र में प्रोग्राम को देखना हुए एम्प्लॉय, सीए, आर्किटेक्चर, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज में मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जर्नालिस्ट, फाइनेंसियल एनलिसिस, इन्वेस्ट एन्सॉल्ट, क्रेडिटल सर्विसेज एनलिसिस के रूप में कुछ जगह हैं।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए क्या रहे विभिन्न पोस्ट हेतु प्रोग्राम के लिए अर्थात् का स्वतंत्र होना अनिवार्य है। कुछ संस्थानों में प्रोग्राम के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक तृतीय अर्थवर्षी के लिए एक या दो वर्षीय डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



प्रमुख संस्थान

- मुख्य स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इन्स्टीट्यूट मुंबई
- वित्तीय विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रेक्टीसर्स, नई दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्लोबल इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नरिसा
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- ज्यूपीएसएफएच, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील हैं। हर एक में वेस्टिंग कैरियर बनाना या सावधान है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इन्वेंस्ट कई हिस्से हैं। बड़ा प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी चयन है।

आश्विन मजरा, गैर बीएचए, एनएच

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अनाउंसर, मैन्युस्क्रिप्ट एनलिसिस, इन्वेस्ट एनलिसिस, कैपिटल मार्केट एनलिसिस, फ्यूचर प्लानिंग, सिम्पॉरिटी एनलिसिस, ड्रिफ्टी एनलिसिस।



विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, इसी परिणाम बाजार में सही। विश्वास वर्ण, ग्राहिकार



समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से पैसे का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है।

करियर कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल रिकल्स और सेलिंग रिकल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इन्सेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्प्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डेवलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

में पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे

कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series



Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Technical Analyst & Having more than 15 years' Experience in Money Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

“THANK YOU”
